# सेवा संकल्प अभियान में मप्र बनेगा सुशासन और जनभागीदारी का मॉडल

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल:** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता के नहीं, बल्कि निरंतर सेवा और राष्ट्र निर्माण के वर्ष हैं। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई संवैधानिक यात्रा आज ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंची है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को जनसहभागिता और जनसंवाद का माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में जनकल्याण और जनसंवाद से जुड़ी गतिविधियां आयोजित हों। प्रत्येक शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम किए जाएं और जिलों की विकास पुस्तिकाएं आम लोगों तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने मंत्रियों को अपने विभाग और प्रभार वाले जिलों में अभियान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर को उज्जैन स्थित महाकाल महालोक में बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित करने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश में शुरू की गई परियोजनाओं और योजनाओं से जुड़े स्थानों पर भी कार्यक्रम होंगे। अभियान के तहत 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज और जनसेवक महाकुंभ शामिल हैं। अभियान के दौरान दीप प्रज्वलन, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, आंगनवाड़ी कार्यक्रम, सेवा गतिविधियां, स्वास्थ्य जांच शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और डिजिटल साक्षरता जैसे आयोजन होंगे। सेवा सेतु अभियान के माध्यम से नागरिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। 17 अक्टूबर को जनसेवक महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सुशासन और सेवा के 25 वर्षों को लेकर कार्यक्रम होंगे।

### मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान पोर्टल का शुभारंभ

# मैदानी गतिविधियों और जनसमस्याओं के निराकरण की जानकारी होगी नियमित दर्ज

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय से मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में प्रभावी और लाभकारी साबित होगा। अधिकारियों को यूजर मैनुअल के अनुसार पोर्टल पर नियमित रूप से जानकारी अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 अगस्त से शुरू हुए मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं और कम समय में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी सप्ताह में एक दिन मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर जनता की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं।

जनविश्वास अभियान के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों की व्यवस्थित जानकारी दर्ज करने के लिए यह पोर्टल तैयार किया गया है। इसमें अधिकारियों के भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक और नीतिगत विषयों की जानकारी दर्ज की जाएगी।

पोर्टल पर अभियान के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश, जिलों के प्रमुख नवाचार और जिला स्तर से प्राप्त सुझाव भी शामिल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह दर्ज होने वाली जानकारी की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी। राज्य स्तरीय मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय भी पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

## श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रभक्ति, शौर्य और भारतीय इतिहास के अमर नायकों को अपनी ओजस्वी लेखनी से जन-जन तक पहुंचाने वाले साहित्यकार श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि श्रीकृष्ण सरल ने क्रांतिकारियों और वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को अपनी कालजयी रचनाओं से अमर देशवासियों के मन में राष्ट्रप्रेम और स्वाभिमान की चेतना जगाई।

## सिद्धांता अस्पताल का पंजीयन और लाइसेंस निरस्त

**▶▶ जांच में इमरजेंसी, आईसीयू, डायलिसिस और फायर सेफ्टी सहित 19 गंभीर खामियां मिलीं**

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** शिवाजी नगर स्थित सिद्धांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का पंजीयन और अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की जांच में अस्पताल में 19 गंभीर खामियां सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच में इमरजेंसी सुविधाओं, चिकित्सकों की उपलब्धता, डायलिसिस यूनिट, आईसीयू, एक्स-रे और अग्नि सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन पाए गए।

31 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार, लाइसेंस निरस्त होने के बाद अस्पताल इस पंजीयन के आधार पर नए मरीजों को भर्ती नहीं कर सकेगा और चिकित्सा व नर्सिंग सेवाओं का संचालन नहीं कर सकेगा। हालांकि पहले से भर्ती मरीजों के उपचार की निरंतर व्यवस्था और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की रहेगी। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी कक्ष में पर्याप्त उपकरण नहीं मिले। वहां केवल एक रक्तचाप जांच उपकरण और ट्रॉली पर एक ऑक्सीजन सिलेंडर मिला। इमरजेंसी की क्रैश कार्ट लॉक पाई गई। डायलिसिस यूनिट में चार बेड के बावजूद केवल दो टेक्नीशियन मिले। मरीजों की सीरोलॉजी रिपोर्ट और सीरो पॉजिटिव मरीजों के लिए अलग व्यवस्था भी नहीं मिली। संक्रमण संबंधी आवश्यक मानकों के पालन में भी कमियां पाई गईं।

आईसीयू में संक्रमित मरीजों के लिए बने दो केबिन में असंक्रमित मरीज भर्ती मिले। वहीं सूचना पट्ट पर दर्ज समय के अनुसार कई ओपीडी में चिकित्सक उपलब्ध नहीं पाए गए। एक्स-रे और अन्य जांच क्षेत्रों में भी सुरक्षा मानकों के उल्लंघन सामने आए। निरीक्षण में लेड एप्रन और थायरॉयड कॉलर का उपयोग नहीं किया जा रहा था तथा जांच से संबंधित रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं कराया गया।

## लापरवाही पर इंदरगढ़ छात्रावास अधीक्षक निलंबित

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** दतिया जिले के इंदरगढ़ स्थित अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास के अधीक्षक डॉ. डी.आर. राहुल को पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कलेक्टर के आदेश के साथ छात्रावास की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। तहसीलदार इंदरगढ़ द्वारा छात्रावास का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के बाद प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर दतिया स्वप्निल वानखेड़े ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत अधीक्षक को निलंबित करने के आदेश जारी किए।

निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनजातीय कार्य विभाग दतिया निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने छात्रावास में विद्यार्थियों को निर्धारित मीनू और मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण, ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। भोजन की गुणवत्ता और मात्रा की नियमित जांच भी होगी। अधिकारियों को छात्रावास का नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण कर कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

# पूर्व विधायक संजय शर्मा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, टोल वसूली में कथित फर्जीवाड़े की जांच

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** प्रवर्तन निदेशालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के टोल प्लाजा से जुड़े कथित फर्जीवाड़े और धन शोधन मामले में बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने मध्य प्रदेश के पूर्व कांग्रेस विधायक संजय शर्मा के नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा और देवरी स्थित ठिकानों पर तलाशी ली। देश के विभिन्न राज्यों में कुल 14 परिसरों पर एक साथ कार्रवाई की गई।

बताया गया कि ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-

कश्मीर, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिम बंगाल में तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दस्तावेजों, बैंक खातों से संबंधित जानकारी और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली के लिए कथित रूप से अनधिकृत समानांतर सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की बात सामने आई है। आरोप है कि इसके जरिए फर्जी टोल रसीदें जारी कर वसूली गई राशि को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आधिकारिक खातों से अलग कर दिया जाता था। फोरेंसिक जांच में टोल से जुड़े आंकड़ों में कथित हेराफेरी की जानकारी मिलने की बात भी कही गई है।

यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब संजय शर्मा को इंदौर में आयोजित होने वाले राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की जिम्मेदारियों में शामिल बताया जा रहा है। छापेमारी के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं ने कार्रवाई के समय को लेकर सवाल उठाते हुए केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

वहीं, ईडी की टीमें संजय शर्मा से जुड़े कार्यालयों और अन्य ठिकानों पर जांच जारी रखे हुए हैं। एजेंसी कथित फर्जीवाड़े से अर्जित धन, उसके लेन-देन और मामले से जुड़े अन्य संभावित लाभार्थियों की जानकारी जुटा रही है।

# जीआईएस नवाचार के लिए मप्र को मिला राष्ट्रीय सम्मान

### गरुड़ पोर्टल से नगरीय निकायों में सुशासन और आधुनिक प्रबंधन को मिली नई पहचान

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** मध्यप्रदेश को जीआईएस आधारित नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। राज्य के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा विकसित एकीकृत जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म 'गरुड़' के उत्कृष्ट उपयोग के लिए यह सम्मान मिला है।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में एसरी इंडिया के निदेशक अजेन्द्र कुमार ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे को यह सम्मान प्रदान किया।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन और पारदर्शी नगरीय प्रबंधन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि गरुड़ के माध्यम से डेटा को निर्णय लेने का आधार बनाया गया है, जिससे नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति, प्रशासनिक दक्षता और नागरिक सेवाओं में सुधार हो रहा है।

गरुड़ एक अत्याधुनिक जीआईएस आधारित डेटा एनालिटिक्स सेंटर है, जिसमें नगरीय निकायों से जुड़े शहरी और राजस्व आंकड़ों का स्थानिक विश्लेषण किया जाता है। इसके माध्यम से संपत्ति और राजस्व का मानचित्र आधारित विश्लेषण, नई संपत्तियों की पहचान और राजस्व बढ़ाने की रणनीति तैयार की जा रही है। इस प्रणाली से जलापूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, भूमि उपयोग, अतिक्रमण नियंत्रण, भवन अनुज्ञा और नगरीय अधोसंरचना की डिजिटल निगरानी को मजबूत बनाया गया है। गरुड़ मॉडल से शहरी निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने और नागरिक सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिल रही है।

# ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने का रोडमैप तैयार करेगा मध्यप्रदेश

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने रोडमैप तैयार करने की पहल शुरू की है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने आईआईएसईआर भोपाल और ड्रोन क्षेत्र से जुड़े प्रमुख हितधारकों के साथ उच्चस्तरीय इंडस्ट्री राउंडटेबल आयोजित की। बैठक में ड्रोन क्षेत्र की कंपनियों, स्टार्टअप, उद्योग संगठनों और अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रदेश में ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार के लिए मजबूत तंत्र विकसित करने संबंधी सुझाव दिए। इस दौरान आवश्यक अधोसंरचना, परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं, कौशल विकास और अनुसंधान सहयोग पर चर्चा हुई।

### आईआईएसईआर भोपाल में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और ग्वालियर में विकसित होगा ड्रोन निर्माण एवं परीक्षण क्लस्टर

आईआईएसईआर भोपाल में ड्रोन प्रौद्योगिकी आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। जुलाई 2026 में मंत्रिमंडल ने करीब 85.51 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना को मंजूरी दी थी। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालित प्रणालियां, ड्रोन सिमुलेशन, डिजिटल ट्विन, मानव रहित विमान डिजाइन और निर्माण जैसी तकनीकों पर कार्य किया जाएगा।

वहीं ग्वालियर में प्रस्तावित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग क्लस्टर में ड्रोन निर्माण, प्रोटोटाइपिंग, कंपोनेंट परीक्षण, प्रमाणन और फ्लाइट टेस्टिंग के लिए एकीकृत अधोसंरचना विकसित की जाएगी। राउंडटेबल में मिले सुझावों को प्रदेश के ड्रोन क्षेत्र के विकास के लिए तैयार किए जा रहे रोडमैप में शामिल किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य निवेश, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देते हुए कृषि, लॉजिस्टिक्स, अधोसंरचना और अन्य क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के उपयोग का विस्तार करना है।

## तैयार स्वास्थ्य संस्थानों में जल्द उपलब्ध होंगी सभी सुविधाएं

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि भौतिक रूप से तैयार स्वास्थ्य संस्थानों में मानव संसाधन, उपकरण और फर्नीचर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ संस्थानों के संचालन की तैयारियां भी समय-सीमा में पूरी की जाएं।

मंत्रालय में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 15 अगस्त 2026 तक लक्षित निर्माण कार्यों में से शेष कार्यों को आगामी 15 दिनों में पूरा किया जाए। बैठक में बताया गया कि 15 अगस्त तक प्रदेश में कुल 53 स्वास्थ्य संस्थाओं को संचालन के लिए तैयार किया गया है।

इनमें 37 उप स्वास्थ्य केंद्र, 9 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 4 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट और 3 क्रिटिकल केयर ब्लॉक शामिल हैं। संभागवार तैयार संस्थानों में जबलपुर में 30, रीवा में 8, इंदौर में 6, भोपाल में 3, उज्जैन में 3, ग्वालियर में 2 और सागर में 1 संस्था शामिल है। बैठक में बताया गया कि आगामी 15 दिनों में 220 स्वास्थ्य संस्थाओं को तैयार किया जाएगा। इनमें 167 उप स्वास्थ्य केंद्र, 42 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 6 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, 2 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट/प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई, 2 क्रिटिकल केयर ब्लॉक और 1 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित संस्थानों में 179 जगह मानव संसाधन उपलब्ध है, जबकि 163 संस्थानों में उपकरण उपलब्ध कराए जा चुके हैं। 61 संस्थानों में उपकरण और मानव संसाधन की व्यवस्था की प्रक्रिया जारी है।

## नशे का कारोबार: 2.10 करोड़ की जब्ती

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** मध्यप्रदेश पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक सप्ताह के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्रवाई करते हुए दो करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ और अन्य संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने तस्करी, अवैध बिक्री और मादक पदार्थों की अवैध खेती से जुड़े मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया।

नीमच में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध डोडाचूरा जब्त किया। कंजार्डा चौकी पुलिस ने 424 किलोग्राम डोडाचूरा के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा, जबकि जीरन थाना पुलिस ने 12 क्विंटल 70 किलोग्राम डोडाचूरा और ट्रक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों कार्रवाइयों में एक करोड़ 28 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई।

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक विदेशी महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से 57.18 ग्राम कोकीन और अन्य सामग्री जब्त की। शिवपुरी में तीन अलग-अलग कार्रवाइयों के दौरान स्मैक बेचते तीन आरोपियों को पकड़ा गया। बालाघाट पुलिस ने ओडिशा में दबिश देकर गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया।

**आयोजन** | *55 जिलों में जन्मोत्सव की तैयारी, 7500 से अधिक मंदिरों में होगी विशेष सजावट...*

# कृष्णमय होगा मध्यप्रदेश, 111 स्थानों पर होंगे सांस्कृतिक आयोजन

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:** भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 4 सितंबर को मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय श्रीकृष्ण पर्व का व्यापक आयोजन किया जाएगा। 'घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल' की संकल्पना के साथ प्रदेश के सभी 55 जिलों में 111 स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान 7500 से अधिक श्रीकृष्ण मंदिरों को विशेष रूप से सजाया जाएगा और 1500 से अधिक स्थानीय कलाकार भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, लीलाओं और भक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे।

मुख्यमंत्री निवास पर भी विशेष आयोजन होगा, जिसमें श्रीकृष्ण से जुड़ी कला और सांस्कृतिक परंपराएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी। यहां मटकी फोड़ कार्यक्रम भी होगा तथा 101 से अधिक बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बच्चों को माखन मिश्री, लड्डू गोपाल की प्रतिमा और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर केंद्रित पुस्तक भेंट करेंगे। इसके बाद जानापाव में परशुराम-श्रीकृष्ण लोक का भूमि पूजन किया जाएगा। संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि श्रीकृष्ण पर्व के माध्यम से भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन के लिए सांदीपनी आश्रम, नारायणा धाम, अमझेरा, जानापाव और जामगढ़ सहित अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का चयन किया गया है। उज्जैन के नारायणा धाम में 2 से 6 सितंबर तक पांच दिवसीय आयोजन होगा, जिसमें श्रीकृष्ण-सुदामा प्रसंग, रासलीला, भजन और विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियां होंगी। सांदीपनी आश्रम में गुरु-शिष्य परंपरा और श्रीकृष्ण की शिक्षा से जुड़े प्रसंगों को नृत्य-नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

महिदपुर, पन्ना और अमझेरा में भी राधा-कृष्ण प्रेम, बलदेव-श्रीकृष्ण प्रसंग, श्रीकृष्ण लीला और रुक्मिणी वरण पर आधारित कार्यक्रम होंगे। जानापाव में भगवान परशुराम द्वारा श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान करने के प्रसंग पर नृत्य-नाटिका तथा विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। पाली, शहडोल, मंडला, दमोह, रीवा, खातेगांव, उज्जैन, रायसेन, गुना, ग्वालियर, इंदौर सहित अनेक जिलों में कृष्ण भक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। नृत्य-नाटिका, रासलीला, भजन और लोकगायन के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन और दर्शन के विभिन्न प्रसंगों को मंच पर साकार किया जाएगा।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com